संस्कृति मंत्रालय
MINISTRY OF
CULTURE
सत्यमेव जयते

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर
West Zone Cultural Centre Udaipur

अभिव्यक्ति
ABHIVYAKTI

News Letter Year 1 Issue No. 1 : January, February & March 2026



पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर
West Zone Cultural Centre Udaipur

Director's Note

Dear friends, The quarter from January to March is always a time of turning in the west. Mustard fields in Rajasthan give way to mango blossom in the Konkan, the cool of the Rann softens into Holi colour in Gujarat. It is a fitting season to pause and listen to what our land is expressing, for that is the root meaning of Abhivyakti.

During these three months, the West Zone Cultural Centre continued its core work across Rajasthan, Gujarat, Maharashtra, Goa, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli, carrying forward the mandate given to the seven Zonal Cultural Centres to preserve folk art and oral traditions through documentation and community collaboration, and to support masters and young learners through the Guru Shishya Parampara Scheme. Under the national umbrella of Ek Bharat Shreshtha Bharat, our teams travelled with artists to schools, community halls and village chaupals, not to perform at people but to perform with them: a bhajan in a temple courtyard in Nathdwara, a Warli painting circle in Palghar, a dhol-tasha interaction in Pune, a Goan mando evening in Panjim. These are small gatherings, rarely reported, but they are where transmission happens.

The classical and folk are not opposites but neighbours sharing a courtyard. That is a truth this Centre conceives to take the culture beyond closed auditoria into chaubara of villages and towns.

On 19 March, I had the honour of assuming charge as Director. My identity is not limited to an administrator but as a Sur-Bahar player of the Etawah Gharana, a disciple of Pandit Arvind Parikh, and as someone who has spent a lifetime learning that music begins with listening.

Culture, as we wrote in this newsletter years ago, is not decoration. People without the knowledge of their past, origin and culture are like a tree with no roots. May this spring quarter remind us to water those roots together.

With warmth
Dr. Ashwin M. Dalvi
Director, West Zone Cultural Centre, Udaipur

निदेशक की कलम से

प्रिय दोस्तों, जनवरी से मार्च तक की तिमाही पश्चिम में बदलाव का समय होता है। राजस्थान के सरसों के खेतों की जगह कोंकण में आम के मौर लग जाते हैं, और गुजरात में कच्छ के रण की ठंडक होली के रंगों में घुल–मिल जाती है। यह समय ठहरकर हमारी धरती की आवाज़ सुनने का है, क्योंकि 'अभिव्यक्ति' का मूल अर्थ यही है।

इन तीन महीनों के दौरान, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दमन और दीव और दादरा और नगर हवेली में अपना मुख्य काम जारी रखा। केन्द्र ने सात ज़ोनल कल्चरल सेंटर्स को दिए गए उस काम को आगे बढ़ाया, जिसके तहत डॉक्यूमेंटेशन और कम्युनिटी के सहयोग से लोक कला और मौखिक परंपराओं को बचाना है, और 'गुरु–शिष्य परंपरा योजना' के ज़रिए गुरूओं और शिष्यों को मदद देनी है।



'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत, हमारी टीमें कलाकारों के साथ स्कूलों, कम्युनिटी हॉल और गाँव की चौपालों तक गईं। मकसद सिर्फ़ लोगों के सामने परफ़ॉर्म करना नहीं, बल्कि उनके साथ मिलकर परफ़ॉर्म करना था– जैसे नाथद्वारा में मंदिर के आँगन में भजन, पालघर में वारली पेंटिंग का ग्रुप, पुणे में ढोल–ताशा का कार्यक्रम, या पणजी में गोवा का 'मांडो' संगीत। ये छोटी–छोटी महफ़िलें होती हैं, जिनकी ज्यादा चर्चा नहीं होती, लेकिन असल में यहीं से संस्कृति का आदान–प्रदान होता है।

शास्त्रीय और लोक कलाएँ एक दूसरे से इतर नहीं, बल्कि एक ही आँगन को साझा करने वाली हैं। यह केंद्र इसी सच्चाई को ध्यान में रखते हुए संस्कृति को बंद ऑडिटोरियम से निकालकर गाँवों और कस्बों के चौबारों तक ले जाने का काम कर रहा है।

19 मार्च को मुझे निदेशक का पद संभालने का सम्मान मिला। मेरी पहचान सिर्फ़ एक प्रशासक तक सीमित नहीं है, बल्कि मैं इटावा घराने का सुर–बहार वादक और पंडित अरविंद पारिख का शिष्य भी हूँ, और मैंने जीवन भर यही सीखा है कि संगीत की शुरुआत सुनने से होती है।

जैसा कि हमने सालों पहले इस न्यूज़लेटर में लिखा था, संस्कृति कोई सजावट की चीज़ नहीं है। जो लोग अपने अतीत, अपनी जड़ों और अपनी संस्कृति के बारे में नहीं जानते, वे बिना जड़ों वाले पेड़ की तरह होते हैं। यह बसंत का मौसम हमें याद दिलाता है कि हमें मिलकर उन जड़ों को सींचना है।

शुभकामनाओं के साथ,
डॉ. अश्विन एम. दलवी
निदेशक, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर

जनवरी 2026

रंगशाला में नाटक शिव महिमा का मंचन



पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर ने अपनी मासिक नाट्य श्रृंखला रंगशाला के अंतर्गत, शिल्पग्राम स्थित दर्पण सभागार में एक मनमोहक नाट्य प्रस्तुति 'शिव महिमा' का सफलतापूर्वक मंचन किया। जयपुर की परंपरा नाट्य समिति द्वारा पारंपरिक 'तमाशा' शैली में प्रस्तुत इस कार्यक्रम में संगीत, संवाद और भावपूर्ण अभिनय के माध्यम से भगवान शिव की महिमा और आध्यात्मिक सार का अत्यंत सुंदर चित्रण किया गया। दिलीप भट्ट द्वारा निर्देशित इस नाटक ने अपनी सशक्त कहानी और जीवंत मंच प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

Staging of the Play 'Shiv Mahima' in Rangshala

The West Zone Cultural Centre, Udaipur, successfully staged a captivating theatrical production titled 'Shiv Mahima' at the Darpan Auditorium in Shilpgram, as part of its monthly theatre series, 'Rangshala'. Presented in the traditional 'Tamasha' style by the Jaipur-based Parampara Natya Samiti, this performance offered a beautifully evocative portrayal of Lord Shiva's glory and spiritual essence through a harmonious blend of music, dialogue, and expressive acting. Directed by Dilip Bhatt, the play enthralled the audience with its compelling narrative and vibrant stage presentation.

वंदे भारतम् पर सांस्कृतिक प्रस्तुति

द्वारा गणतंत्र दिवस 26 जनवरी की परेड में राजपथ नई दिल्ली में भाग लेने हेतु सांस्कृतिक दलों को भेजा गया था। इसकी थीम वंदे भारत के 150 साल रखी गई थी। इसमें करीब 2500 कलाकारों ने भाग लिया। गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर, संस्कृति मंत्रालय की इकाई संगीत नाटक अकादमी, उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर ने कर्तव्य पथ पर "वन्दे मातरम्" की थीम पर आधारित यह शानदार प्रस्तुति दी, जिसमें सुर, लय और भाव के माध्यम से प्रस्तुत इस झांकी और नृत्य ने स्वतंत्रता संग्राम की चेतना, त्याग और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम को देशवासियों के सामने जीवंत कर दिया। यह प्रस्तुति युवाओं को जोड़ती है, भारत की सभ्यतागत विरासत को प्रदर्शित करती है और राष्ट्रीय एकता का संदेश देती है। इस दल में लाल आंगी गैर, भोवाड़ा, आदिवासी गैर नृत्य, सफेद गैर, डांडिया रास, कालबेलिया नृत्य, राठवा नृत्य, घोड़े मोढ़नी एवं कुणबी नृत्य सम्मिलित थे।



Cultural Presentation on 'Vande Bharatam'

Cultural troupes were dispatched to participate in the Republic Day parade held on January 26th at Rajpath, New Delhi. The central theme for this event was designated as "150 Years of Vande Bharatam." Approximately 2,500 artists took part in this grand spectacle. On the occasion of Republic Day 2026, the Sangeet Natak Akademi—an autonomous body under the Ministry of Culture—in collaboration with the North Zone Cultural Centre and the West Zone Cultural Centre (Udaipur), presented this magnificent performance on Kartavya Path, centered on the theme "Vande Mataram." Through a harmonious blend of melody, rhythm, and emotion, this tableau and dance presentation vividly brought to life before the nation's citizens the spirit of the freedom struggle, the ethos of sacrifice, and an unwavering love for the motherland. This performance serves to engage the youth, showcase India's rich civilizational heritage, and convey a powerful message of national unity. The participating troupes featured a diverse array of dance forms, including Lal Angi Gair, Bhovada, Tribal Gair, Safed Gair, Dandiya Raas, Kalbelia, Rathwa, Ghode Modhni, and Kunbi dances.

बाल गंधर्व संगीत समारोह

महाराष्ट्र के जलगांव में 9 से 11 जनवरी तक 24वां बाल गंधर्व संगीत समारोह आयोजित किया गया। इसका आयोजन स्वर्गीय वसंतराव चांदोरकर मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा किया गया। समारोह की शुरुआत नूपुर खटावकर, कोमल चौहान, हेतल चौहान, साक्षी माली, स्नेहल फडके और तान्या पाटिल द्वारा गणेश वंदना (प्रार्थना) के साथ हुई। इसके बाद कलाकार श्रुति बुजरबरुआ एवं यशस्वनी द्वारा शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति, चिराग कट्टी द्वारा सितार वादन प्रस्तुत किया गया।

Bal Gandharva Music Festival

The 24th Bal Gandharva Music Festival was held in Jalgaon, Maharashtra, from January 9 to 11. It was organized by the Late Vasantrao Chandorkar Memorial Foundation. The festival commenced with a *Ganesh Vandana* (prayer) performed by Nupur Khatavkar, Komal Chauhan, Hetal Chauhan, Sakshi Mali, Snehal Phadke, and Tanya Patil. This was followed by classical vocal performances by Shruti Bujarbarua and Yashaswani, and a sitar recital by Chirag Katti.

ऊंट महोत्सव

बीकानेर में अंतर्राष्ट्रीय ऊंट महोत्सव का आयोजन 9 से 11 जनवरी तक किया गया। समारोह का आगाज केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में राठवा नृत्य एवं सौंगी मुखवटे भी शामिल थे।

Camel Festival

The International Camel Festival was held in Bikaner from January 9 to 11. The event was inaugurated by Union Law Minister Arjun Ram Meghwal. Various cultural performances featured on the occasion included the Rathwa dance and Saungi Mukhwate.



अंर्तराष्ट्रीय माहेश्वरी महाअधिवेशन सांस्कृतिक कार्यक्रम

जोधपुर में अंर्तराष्ट्रीय माहेश्वरी महाअधिवेशन सांस्कृतिक कार्यक्रम 9 से 11 जनवरी तक किया गया। इसमें कथक, मांगणियार गायन, हरियाणा घूमर, राठवा नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिसमें पारंपरिक लोक नृत्य, संगीत और समाज की विरासत को दर्शाती प्रस्तुतियां हुईं। इन आयोजनों को 'कल्चरल लाइव इवेंट' श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भी नवाजा गया।

Cultural Program in International Maheshwari Grand Convention

The cultural program for the International Maheshwari Grand Convention was held in Jodhpur from January 9 to 11. Performances included Kathak, Manganiyar singing, Haryanvi Ghoomar, and Rathwa dance, showcasing traditional folk dance, music, and the community's heritage. These events were also honored with prestigious national-level awards in the 'Cultural Live Event' category.

आदि लोकोत्सव

गोवा में आदि लोकोत्सव 9 से 11 जनवरी तक मनाया गया। इसमें राठवा, धनगरी गजा, सौंगी मुखवटे, सिद्धी धमाल, सहरिया स्वांग आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

Aadi Lokotsav

The Aadi Lokotsav was celebrated in Goa from January 9 to 11. Cultural performances such as Rathwa, Dhangari Gaja, Saungi Mukhvate, Siddhi Dhamal, and Sahariya Swang were presented during the event.

हरिपुरा में पराक्रम दिवस पर विभिन्न आयोजन



नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 129वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में 23 जनवरी 2026 को सूरत जिले के बारडोली स्थित हरिपुरा में पराक्रम दिवस के रूप में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूली विद्यार्थियों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता, रैली, प्रदर्शनी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन की प्रमुख घटनाओं पर आधारित नाटक का मंचन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर सूरत जिला कलक्टर महोदय सौरभ पारगी, जिला प्रमुख श्रीमती भाविनीबेन पटेल, ब्लॉक प्रधान जमनाबेन राठौड़, उप जिला कलक्टर जिगनाबेन परमार, मामलातदार श्रीमती कल्पना पटेल, जिला पंचायत सदस्य रोशनभाई, तालुका विकास अधिकारी भावसिंह परमार, सरपंच आशाबेन मनीष चौधरी और राधिका लाठिया जिला युवा विकास अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री का संदेश भी बड़ी स्क्रीन पर प्रसारित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शैलेष भाई वडवा ने किया। एक कि.मी. लंबी पराक्रम रैली में स्कूली विद्यार्थियों, लोक कलाकारों सहित सैकड़ों ग्रामीण जनों ने भाग लिया।





'Parakram Diwas' in Haripura

A grand event was organized on January 23, 2026, in Haripura (Bardoli, Surat district) to observe 'Parakram Diwas' (Day of Valour) on the occasion of Netaji Subhash Chandra Bose's 129th birth anniversary. The program featured a painting competition for school students, a rally, an exhibition, a play depicting key events from Netaji's life, and various cultural performances. Dignitaries present at the event included Surat District Collector Saurabh Pargi, District Panchayat President Bhaviniben Patel, Block Head Jamnaben Rathod, Deputy District Collector Jignaben Parmar, Mamlatdar Kalpanaben Patel, District Panchayat Member Roshanbhai, Taluka Development Officer Bhavsingh Parmar, Sarpanch Ashaben Manish Chaudhary, and District Youth Development Officer Radhika Lathiya. A message from the Hon'ble Prime Minister was also broadcast on a large screen during the event. The program was conducted by Shaileshbhai Vadva. Hundreds of people, including school students, folk artists, and villagers, participated in a one-kilometer-long 'Parakram Rally'.



लोकोत्सव गोवा

गोवा सरकार के कला एवं संस्कृति निदेशालय द्वारा, उदयपुर के पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय लोक उत्सव 16 से 25 जनवरी, 2026 तक पणजी स्थित कला अकादमी परिसर के दरिया संगम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसके बाद 29 जनवरी, 2026 तक अतिरिक्त सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी जारी रहीं। इस उत्सव में भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 25–30 लोक–समूह और कलाकार, गोवा के स्थानीय दलों के साथ एक मंच पर एकत्रित हुए, जिससे सांस्कृतिक एकीकरण के लिए एक जीवंत मंच तैयार हुआ। इस आयोजन में पारंपरिक लोक कलाओं की एक समृद्ध विविधता प्रदर्शित की गई, जिसमें मांगणियार, भवाई, बिहू, कालबेलिया, चरकुला नृत्य, लावणी, कोली, मयूर नृत्य, रौफ नृत्य, पुरलिया छाऊ, घूमर (राजस्थान), सिद्धि धमाल और कई अन्य कला रूप शामिल थे, जो भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता को दर्शाते हैं।

Lokotsav Goa

The National Folk Festival, organized by the Directorate of Art and Culture, Government of Goa, in collaboration with the West Zone Cultural Centre, Udaipur, concluded successfully at the 'Dariya Sangam' venue within the Kala Academy complex in Panaji, running from January 16 to January 25, 2026. Additional cultural performances continued thereafter until January 29, 2026. The festival brought together approximately 25–30 folk troupes and artists from various Indian states alongside local Goan groups on a single platform, creating a vibrant stage for cultural integration. The event showcased a rich diversity of traditional folk arts—including Manganiyar, Bhavai, Bihu, Kalbelia, Charkula dance, Lavani, Koli, Mayur (Peacock) dance, Rouf dance, Purulia Chhau, Ghoomar (Rajasthan), Siddi Dhamal, and many others—reflecting the diversity and unity of Indian culture.

गुणीजन संगीत समारोह
जयपुर में 23 जनवरी 2026 को गुणीजन संगीत समारोह आयोजित किया गया।

Gunijan Music Festival
The Gunijan Music Festival was held in Jaipur on January 23, 2026.

नाटक अभयरानी अब्बक्का का मंचन
बांसवाड़ा में 24 जनवरी 2026 को माही महोत्सव के दौरान एक शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति ने दर्शकों को भारत के गौरवशाली इतिहास पर गर्व और गहरी प्रेरणा से भर दिया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 16वीं सदी की वीरांगना रानी अब्बक्का के जीवन और शौर्य पर आधारित एक सशक्त नाट्य प्रस्तुति दिखाई गई। यह कार्यक्रम कलाकारों और आयोजकों की सराहना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसने भारत की जीवंत सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने की दिशा में केन्द्र के निरंतर प्रयासों को रेखांकित किया।

Staging of the Play 'Abhayrani Abbakka'
During the Mahi Mahotsav in Banswara on January 24, 2026, a magnificent cultural performance filled the audience with a deep sense of pride and inspiration regarding India's glorious history. Organized under the aegis of the West Zone Cultural Centre, Udaipur, the event featured a powerful theatrical presentation based on the life and valor of the 16th-century heroine, Queen Abbakka. The event concluded successfully, garnering praise for the artists and organizers alike, and underscored the Centre's ongoing efforts to promote and preserve India's vibrant cultural heritage.

मरू महोत्सव
जैसलमेर में 30 एवं 31 जनवरी को मरू महोत्सव आयोजित किया गया जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम में राठवा एवं मयूर नृत्य प्रस्तुत किए गए।

Desert Festival
The Desert Festival was held in Jaisalmer on January 30 and 31, featuring cultural performances such as the Rathwa and Mayur dances.

नाद साधना जयपुर
जयपुर में 31 जनवरी को नाद साधना कार्यक्रम में सुर बहार पर डॉ. अश्विन दलवी एवं सितार वादन पर अमृता कुलकर्णी ने प्रस्तुतियां दी।

Naad Sadhana, Jaipur
At the 'Naad Sadhana' event held in Jaipur on January 31, Dr. Ashwin Dalvi performed on the *Surbahar*, and Amrita Kulkarni gave a *Sitar* recital.

बेणेश्वर मेला डूंगरपुर
31 जनवरी से दो दिवसीय बेणेश्वर मेले में डांगी नृत्य, सिद्धि धमाल एवं बहरूपिया कला की प्रस्तुतियां दी गई।

Beneshwar Fair, Dungarpur
Performances of the Dangi dance, Siddhi Dhamal and Bahurupiya art were presented at the two-day Beneshwar Fair, which began on January 31.

फरवरी 2026



रंगशाला में नाटक गोल्डन बाजार का मंचन

केंद्र द्वारा आयोजित मासिक नाट्य संध्या 'रंगशाला' के अंतर्गत शिल्पग्राम स्थित दर्पण सभागार में पोटली थिएटर ग्रुप, मुंबई द्वारा 'गोल्डन बाजार' नाटक का सशक्त मंचन किया गया। दर्शकों से खचाखच भरे सभागार में इस प्रभावशाली प्रस्तुति को खूब सराहा गया। इस मनोरंजक एवं संवेदनशील नाटक के लेखक पवन उत्तम एवं विजय सिंह परमार थे। नाटक की स्टोरी एवं डिज़ाइन विजय सिंह परमार द्वारा तथा संकल्पना अंशु श्रीवास्तव ने की। 'गोल्डन बाजार' कोलकाता की जीवंत लेकिन विरोधाभासी दुनिया में रचा गया एक सशक्त और भावनात्मक रूप से प्रभावशाली नाटक था। इस नाटक ने प्रेम, विश्वासघात, संघर्ष और मुक्ति जैसे संवेदनशील विषयों को गहराई से प्रस्तुत किया।

Staging of the Play 'Golden Bazaar' at Rangshala

As part of the monthly theatre evening 'Rangshala' organized by the Centre, the Potli Theatre Group from Mumbai delivered a powerful performance of the play 'Golden Bazaar' at the Darpan Auditorium in Shilpgram. This impressive presentation was highly acclaimed by the packed audience. The play—at once entertaining and poignant—was written by Pawan Uttam and Vijay Singh Parmar. Vijay Singh Parmar handled the story and design, while Anshu Srivastava developed the concept. 'Golden Bazaar' was a powerful and emotionally stirring play set against the backdrop of the vibrant yet contradictory world of Kolkata; it delved deeply into sensitive themes such as love, betrayal, struggle, and liberation.

प्रशिक्षु आईएएस ऑफिसर बैच 2025 ने किया शिल्पग्राम का भ्रमण

प्रशिक्षु आईएएस ऑफिसर बैच 2025 ने उदयपुर में विंटर स्टडी ट्यूर के दौरान 8 फरवरी को शिल्पग्राम का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विभिन्न राज्यों की पारंपरिक झोपड़ियों, स्कल्पचर पार्क, ग्रामीण परिवेश आदि के बारे में बताया। इस दौरान 11 सदस्यीय प्रशिक्षु आईएएस ऑफिसरों ने बंजारा मंच पर लोक कलाकारों द्वारा दी गई लंगा मांगणियार, कालबेलिया, गोंधल, चकरी, डांग आदि लोक संस्कृतियों की प्रस्तुतियां देखी तथा कलाकारों के साथ सामूहिक छायाचित्र भी खिंचवाए। समापन अवसर पर बैच प्रतिनिधि अर्चित ने भारतीय कला के संवर्धन और कलाकारों के कल्याण पर अपने विचार साझा किए।



Trainee IAS Officers (Batch of 2025) Visit Shilpgram

Trainee IAS officers from the 2025 batch visited Shilpgram in Udaipur on February 8 as part of their winter study tour. During the visit, they were introduced to traditional huts from various states, the sculpture park, and the rural ambience. The 11-member group watched folk performances—including Langa-Manganiyar, Kalbelia, Gondhal, Chakri, and Dang—presented by folk artists at the Banjara Manch and also took group photographs with the performers. At the conclusion of the visit, batch representative Archit shared his views on the promotion of Indian art and the welfare of artists.

श्री निम्बेश्वर महादेव पशु मेला

पाली में 14 फरवरी को श्री निम्बेश्वर महादेव पशु मेला आयोजित किया गया। पशुपालन एवं डेयरी, गोपालन व देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने इस मेले का उद्घाटन किया। मेले के दौरान तेराताली नृत्य की प्रस्तुति दी गई। जिला प्रशासन एवं पशु पालन विभाग की ओर से यह मेला 35 वर्षों के बाद आयोजित किया गया था।

Shri Nimbeshwar Mahadev Cattle Fair

The Shri Nimbeshwar Mahadev Cattle Fair was organized in Pali on February 14. Joraram Kumawat, the Minister for Animal Husbandry and Dairy, Cow Rearing, and Devasthan, inaugurated the fair. A Teratali dance performance was presented during the event. This fair was organized by the district administration and the Animal Husbandry Department after a gap of 35 years.

चित्रांकन प्रिंट मेकिंग केम्प

कला एवं संस्कृति संचालनालय गोवा एवं पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 18 से 25 फरवरी 2026 तक चित्रांकन प्रिंट मेकिंग केम्प का आयोजन किया गया। इसमें देशभर से करीब 16 प्रतिभागियों ने वंदेमातरम् थीम पर प्रिंट्स बनाए। अंत में इन प्रिंट्स की प्रदर्शनी लगाई गई।

Chitrankan Printmaking Camp

A Chitrankan printmaking camp was organized from 18 to 25 February 2026, under the joint collaboration of the Directorate of Art and Culture, Goa and West Zone Cultural Centre, Udaipur. Around 16 participants from across the country created prints based on the theme 'Vande Mataram'. An exhibition of these prints was held at the conclusion of the event.

















ऋतु वसंत

उदयपुर के शिल्पग्राम में 20 से 22 फरवरी 2026 तक तीन दिवसीय ऋतु वसंत उत्सव के दौरान, जाने–माने बांसुरी वादक पं. चेतन जोशी की मनमोहक धुनें और गौरी दिवाकर की शानदार कथक प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। पं. चेतन जोशी के साथ आंजनेय जोशी ने बांसुरी एवं तबले पर पंडित हितेन्द्र दीक्षित ने संगत की। 21 फरवरी को जयपुर के गुलज़ार हुसैन वायलिन पर तथा जयपुर के मोहम्मद उमर दिलरूबा पर विशेष जुगलबंदी से समां बांध दिया। इनके साथ तबले पर मेराज हुसैन एवं ज़ेयान हुसैन ने संगत की। उसके बाद फरीदाबाद की कविता द्विवेदी ने ओडिसी नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी। 22 फरवरी को कर्नाटक से जयतीर्थ मेवुण्डी द्वारा शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया गया। तबले पर अभिषेक मिश्रा ने संगत की। उत्सव की अंतिम पेशकश के रूप में साध्या ग्रुप, नई दिल्ली द्वारा प्रसिद्ध कोरियोग्राफर संतोष नायर के निर्देशन में नृत्य प्रवाह की विशेष प्रस्तुति दी गई। इन प्रस्तुतियों ने न केवल दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि भारत की शास्त्रीय संगीत और नृत्य परंपराओं की समृद्ध विरासत को भी बखूबी उजागर किया।

Ritu Vasant

During the three-day 'Ritu Vasant' festival held at Shilpgram, Udaipur, from February 20 to 22, 2026, the audience was captivated by the enchanting melodies of renowned flautist Pt. Chetan Joshi and a magnificent Kathak performance by Gauri Diwakar. Pt. Chetan Joshi was accompanied on the flute by Anjaney Joshi and on the tabla by Pt. Hitendra Dixit. On February 21, Gulzar Hussain (violin) and Mohammad Umar (dilruba)—both from Jaipur—created a magical atmosphere with a special *jugalbandi* (duet performance), accompanied by Meraj Hussain and Zeyan Hussain on the tabla. This was followed by a beautiful Odissi dance performance by Kavita Dwivedi from Faridabad. On February 22, a classical vocal recital was presented by Jayateerth Mevundi from Karnataka,

accompanied by Abhishek Mishra on the tabla. As the festival's concluding offering, the Sadhya Group from New Delhi presented a special dance performance titled 'Nritya Pravah' under the direction of renowned choreographer Santosh Nair. These performances not only entertained the audience but also brilliantly showcased the rich heritage of India's classical music and dance traditions.

राजशक्ति सरस मेला

पाली के रामलीला मैदान में 21 से 27 फरवरी 2026 तक राजशक्ति सरस मेले का आयोजन किया गया। मेले में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पाद, फूड कोर्ट और प्रतिदिन रंगारंग सांस्कृतिक संध्या आकर्षण का केंद्र थे। मेले के दौरान लाल आंगी गैर नृत्य का भी प्रदर्शन किया गया।

Rajshakti Saras Mela

The Rajshakti Saras Mela was organized at the Ramlila Ground in Pali from February 21 to 27, 2026. Products crafted by women from self-help groups, a food court, and vibrant cultural evenings held daily were the main attractions of the fair. A performance of the 'Lal Aangi Gair' dance also took place during the event.



वसंतोत्सव

गुजरात के गांधीनगर में 21 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक वसंतोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें रौफ, बिहू, मयूर, भांगड़ा, भपंग, बहुरूपिया, कालबेलिया, पुरुलिया छाऊ आदि विभिन्न कला–रूपों के लगभग 148 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं।

Vasantotsav

Vasantotsav was organized in Gandhinagar, Gujarat, from February 21 to March 2, 2026. Around 148 artists showcased various art forms, including Rouf, Bihu, Mayur, Bhangra, Bhapang, Bahurupiya, Kalbelia, and Purulia Chhau.

यात्रा पश्चिमालाप दाहोद

21 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक दाहोद के आदिवासी इलाके में पारंपरिक कलाओं का एक भव्य उत्सव देखने को मिला, जब भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत आने वाले पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर ने सफलतापूर्वक 'यात्रा पश्चिमालाप' कार्यक्रम का आयोजन किया। यह सांस्कृतिक उत्सव पश्चिमी भारत की विविध लोक परंपराओं को एक मंच पर लेकर आया। दस दिनों तक चले इस कार्यक्रम में 100 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया। जिसमें कालबेलिया नृत्य, भपंग वादन, चकरी नृत्य, डांग आदिवासी नृत्य, मिश्र रास और पारंपरिक वसावा होली नृत्य आदि प्रस्तुत किए गए।

'Yatra Pashchimalap' – Dahod

A grand festival of traditional arts unfolded in the tribal region of Dahod from 21 February to 1 March 2026, as the West Zone Cultural Centre (Udaipur)—an organization under the Ministry of Culture, Government of India—successfully hosted the 'Yatra Pashchimalap' event. This cultural festival brought the diverse folk traditions of Western India onto a single platform. More than 100 artists participated in the ten-day event, presenting performances such as Kalbelia dance, Bhapang recital, Chakri dance, Dang tribal dance, Mishra Raas, and the traditional Vasava Holi dance.



बीकानेर थिएटर

बीकानेर में 25 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक दसवां बीकानेर थिएटर फेस्टिवल मनाया गया। जिसमें विभिन्न नाटक प्रदर्शित किए गए जिससे दर्शकों को नाटकों के विविध रंग शैलियां देखने मिली।

Bikaner Theatre

The 10th Bikaner Theatre Festival was held in Bikaner from 25 February to 1 March 2026. Various plays were staged, offering the audience an opportunity to witness a diverse range of theatrical styles and genres.

डांग दरबार

गुजरात में 26 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक डांग दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें राठवा नृत्य, सिद्धी धमाल, गरबा, तारपा, घूमर हरियाणा प्रस्तुत किए गए।

Dang Darbar

The Dang Darbar was organized in Gujarat from 26 February to 2 March 2026. Performances included the Rathwa dance, Siddi Dhamal, Garba, Tarpa, and Haryana's Ghoomar.

मार्च 2026

लोकनाट्य तमाशा

2 मार्च 2026 को वीणा पाणी संस्थान द्वारा जयपुर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर जयपुर तमाशा की भव्य प्रस्तुति 'रांझा–हीर' का सफल मंचन किया गया। इस लोक नाटक का लेखन बंशीधर जी भट्ट ने और निर्देशन वासुदेव भट्ट जी ने किया। इस बार भी शास्त्रीय संगीत की बंदिशों के साथ रांझा–हीर ने प्रस्तुति दी। वहीं पुराने कलाकारों और पीढ़ियों से इस तमाशा को देख रहे दर्शकों को भी सम्मानित किया गया।



Folk theater show

On 2 March 2026, a grand presentation of Jaipur Tamasha, the rich cultural heritage of Jaipur, 'Ranjha-Heer' was successfully staged by Veena Pani Sansthan. This folk drama was written by Banshidhar ji Bhatt and directed by Vasudev Bhatt ji.

'रंगशाला नाटक 'पांचाली'

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा मासिक नाट्य संध्या 'रंगशाला' के अंतर्गत 8 मार्च 2026 को शिल्पग्राम स्थित दर्पण सभागार में हिमाचल कल्चरल रिसर्च फोरम एवं थियेटर रेपेटरी द्वारा पांचाली नाटक का सशक्त मंचन किया गया। दर्शकों से खचाखच भरे सभागार में इस प्रभावशाली प्रस्तुति को खूब सराहा गया। इस नाटक की परिकल्पना एवं निर्देशन थिएटर विशेषज्ञ एनएसडी, नई दिल्ली और एनसीजेडसीसी के पूर्व निदेशक प्रो. सुरेश शर्मा ने किया। इस नाटक ने द्रौपदी के चरित्र के माध्यम से स्त्री के संघर्ष, गरिमा और अधिकारों की कहानी को उजागर किया।

Panchali play in Rangshala

To mark International Women's Day, the play Panchali was powerfully staged by the Himachal Cultural Research Forum and Theatre Repertory on 8 March 2026, at the Darpan Auditorium in Shilpgram. This performance was organized under the 'Rangshala' monthly theatre evening series by the West Zone Cultural Centre (WZCC), Udaipur. The impressive production was highly acclaimed by the audience, which packed the auditorium to capacity. The play was conceived and directed by theatre expert Prof. Suresh Sharma—an NSD (New Delhi) alumnus and former Director of WZCC. Through the character of Draupadi, the play highlighted the story of women's struggles, dignity, and rights.



विशाल जौहर मेला

वीर भूमि चित्तौड़गढ़ में 13 से 15 मार्च 2026 को चित्तौड़गढ़ किले में वीरांगनाओं की याद में विशाल जौहर मेला आयोजित हुआ जिसमें लाल आंगी गैर, चंग धमाल, कच्छी घोड़ी आदि प्रस्तुतियां दी गई। इस मेले में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शिरकत की।

Grand Jauhar Fair

A grand Jauhar fair was held at Chittorgarh Fort in the heroic land of Chittorgarh from March 13 to 15, 2026, to commemorate the brave women (*Virangnas*); performances such as Lal Aangi Gair, Chang Dhamal, and Kachhi Ghodi were presented during the event. Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath also attended the fair.

संभाग स्तरीय आरोग्य मेला

13 एवं 14 मार्च 2026 को पाली शहर के रामलीला मैदान में संभाग स्तरीय आरोग्य मेला–2026 में सांस्कृतिक कार्यक्रम में कालबेलिया एवं भवाई नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई।

Divisional Level Arogya Mela

Performances of Kalbelia and Bhavai dances were presented during the cultural program at the Divisional-Level Arogya Mela-2026, held at Ramlila Ground in Pali city on March 13 and 14, 2026.

राज्य–स्तरीय युवा प्रतिभा प्रतियोगिता

14 मार्च 2026 को शिल्पग्राम उदयपुर में राज्य स्तरीय युवा प्रतिभा सम्मान प्रतियोगिता आयोजित की गई। लोक नृत्य श्रेणी में पाली की तारा कुमारी कामड़ ने बाजी मारी, जबकि लोक गायन में बाड़मेर के शेर मोहम्मद ने अपनी छाप छोड़ी। लोक वाद्य संगीत में बाड़मेर के फिरोज खान मांगणियार ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया, और लोक नाट्य में उदयपुर के लोकेश कुमार विजेता बनकर उभरे। यह आयोजन युवाओं की भावना और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाते हुए, एक सफल और यादगार पड़ाव पर समाप्त हुआ।



State-Level Youth Talent Competition

The State-Level Youth Talent Competition was held at Shilpgram, Udaipur, on March 14, 2026. Tara Kumari Kamad from Pali triumphed in the folk dance category, while Sher Mohammad from Barmer made his mark in folk singing. Firoz Khan Manganiyar from Barmer secured the top spot in folk instrumental music, and Lokesh Kumar from Udaipur emerged as the winner in folk theatre. The event concluded on a successful and memorable note, celebrating the spirit of the youth and India's rich cultural heritage.

आदि जाति महोत्सव

14 एवं 15 मार्च 2026 को तापी गुजरात में आदि जाति महोत्सव में सांस्कृति कार्यक्रमों में सहरिया स्वांग, आदिवासी गैर, सौंगी मुखवटे आदि नृत्य प्रस्तुत किए गए।

Aadi Jaati Mahotsav

On 14th and 15th March 2026, dances like Sahariya Swang, Adivasi Gair, Songi Mukhwate etc. were presented in the cultural programs at Adi Jaati Mahotsav in Tapi Gujarat.

लोकानुरंजन मेला जोधपुर

जोधपुर में 17 से 19 मार्च 2026 तक आयोजित लोकानुरंजन मेले में गरबा, डांगी, सौंगी मुखवटे, लावणी एवं देखणी नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई।



Lok-Anuranjan Mela, Jodhpur

Performances of Garba, Dangi, Saungi Mukhvate, Lavani, and Dekhni dances were presented at the Lok-Anuranjan Mela held in Jodhpur from March 17 to 19, 2026.

गोपीचंद भर्त्तहरि

18 मार्च 2026 को जयपुर के आमेर स्थित अंबिकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में "गोपीचंद–भर्तृहरि" नामक एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के तत्वावधान में जयपुर विरासत फाउंडेशन और परंपरा नाट्य समिति के सहयोग से किया गया।

Gopichand-Bhartrihari

A vibrant cultural program titled "Gopichand-Bhartrihari" was successfully organized on March 18, 2026, at the Ambikeshwar Mahadev Temple complex in Amer, Jaipur. The event was held under the aegis of the West Zone Cultural Centre, Udaipur, in collaboration with the Jaipur Virasat Foundation and the Parampara Natya Samiti.

घोटिया अंबा मेला



घोटिया अंबा मेला एक प्रमुख आदिवासी मेला है, जिसका आयोजन 18–19 मार्च 2026 को बांसवाड़ा के बागीदौरा में किया गया था। इसमें भवाई नृत्य, भपंग वादन और राठवा नृत्य के लगभग 28 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं।

Ghotia Amba Fair

The Ghotia Amba Fair is a prominent tribal fair that was organized on March 18–19, 2026, in Bagidora, Banswara. Around 28 artists performed the Bhavai dance, Bhapang recital, and Rathwa dance at the event.

डॉ. अश्विन दलवी बने पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक



डॉ. अश्विन महेश दलवी ने 19 मार्च 2026 को तीन वर्ष के लिए पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक का पदभार ग्रहण किया। वे पूर्व में ललित कला अकादमी, राजस्थान के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा) के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके है। इटावा घराने के सुरबहार वादक और पंडित अरविन्द पारिख के शिष्य डॉ. दलवी ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित मंचों पर अपने प्रदर्शन से विशिष्ट पहचान बनाई है। वे दिवंगत प्रसिद्ध कला गुरु श्री महेश दलवी के पुत्र हैं। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के निदेशक फ़ुरक़ान खान जिनके पास पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक का अतिरिक्त पदभार था, ने डॉ. अश्विन दलवी का कार्यालय में स्वागत किया और उन्हें पदभार सौंपा। डॉ. दलवी के नेतृत्व में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के तहत राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा और दमण–दीव व दादरा नगर हवेली की सांस्कृतिक गतिविधियों का दायित्व है।

Dr. Ashwin Dalvi Appointed Director of West Zone Cultural Centre

Dr. Ashwin Mahesh Dalvi assumed the office of Director of the West Zone Cultural Centre on March 19, 2026, for a three-year term. He has previously served as the Chairman of the Lalit Kala Akademi, Rajasthan (holding the rank of Minister of State). A Surbahar player of the Etawah Gharana and a disciple of Pandit Arvind Parikh, Dr. Dalvi has carved a distinct niche for himself through performances on prestigious national and international platforms. He is the son of the late, renowned art guru Shri Mahesh Dalvi. Furqan Khan, Director of the North Zone Cultural Centre, Patiala—who had been holding the additional charge of Director of the West Zone Cultural Centre—welcomed Dr. Ashwin Dalvi to the office and handed over the charge to him. Under Dr. Dalvi's leadership, the activities of the West Zone Cultural Centre are expected to gain new direction and momentum. It is noteworthy that the West Zone Cultural Centre is responsible for overseeing cultural activities across Rajasthan, Gujarat, Maharashtra, Goa, and the Union Territories of Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli.

राजस्थान दिवस

कांकरोली राजसमंद में 19 मार्च को राजस्थान दिवस मनाया गया। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मांगणियार गायन, भवाई नृत्य, चरी नृत्य एवं चंग धमाल प्रस्तुतियां दी गई।

Rajasthan Day

Rajasthan Day was celebrated in Kankroli, Rajsamand, on March 19. Cultural programs featured performances such as Manganiyar singing, Bhavai dance, Chari dance, and Chang Dhamal.

निदेशक पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की राज्यपाल महोदय से शिष्टाचार भेंट



माननीय राज्यपाल राजस्थान श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े के साथ पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के निदेशक डॉ. अश्विन दलवी ने 23 मार्च 2026 को राजभवन जयपुर में शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की गतिविधियों के बारे में माननीय राज्यपाल से विचार–विमर्श किया और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। इस शिष्टाचार भेंट में माननीय राज्यपाल महोदय ने अग्रिम कार्ययोजनाओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

Courtesy Call by the Director of the West Zone Cultural Centre on the Governor

Dr. Ashwin Dalvi, Director of the West Zone Cultural Centre, Udaipur, paid a courtesy call on the Hon'ble Governor of Rajasthan, Shri Haribhau Kisanrao Bagde, at Raj Bhavan, Jaipur, on March 23, 2026. He discussed the activities of the West Zone Cultural Centre with the Hon'ble Governor and outlined the roadmap for upcoming programs. During this meeting, the Hon'ble Governor extended his best wishes for the future action plans.

प्रशिक्षणार्थियों ने नाटक 'परसाई का संसार' में किया उम्दा अभिनय

27 मार्च को विश्व रंगमंच दिवस के उपलक्ष्य में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा शिल्पग्राम स्थित दर्पण सभागार में नाटक 'परसाई का संसार' का सशक्त मंचन किया गया। 20 फरवरी 2026 से प्रारंभ हुए 40 दिवसीय प्रस्तुति उन्मुख नाट्य कार्यशाला में प्रतिभागियों ने देश के प्रतिष्ठित रंगकर्मी एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली तथा उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज के पूर्व निदेशक प्रो. सुरेश शर्मा से प्रशिक्षण प्राप्त किया। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने कड़ी मेहनत से इस नाटक को सीखकर (जिसमें अभिनय, संवाद और मंच सज्जा) पहली बार मंच पर प्रस्तुत किया। इस नाटक में निर्देशन संगीत नाटक अकादमी से सम्मानित प्रो. सुरेश शर्मा तथा सहायक





निर्देशक तनय विवेक पाण्डेय का रहा। प्रो. सुरेश शर्मा के कुशल निर्देशन में प्रस्तुत यह कृति भाव–भंगिमाओं, मुद्राओं और प्रतीकों व अभिनय के माध्यम से एक सशक्त नाट्य–रचना बनकर उभरी। सभी प्रतिभागियों का अभिनय अत्यंत सराहनीय रहा। हारमोनियम पर महबूब हुसैन तथा ढोलक पर तुषार राव ने साथ दिया। उल्लेखनीय है कि नाटक 'परसाई का संसार' सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की रचनाओं पर आधारित है, जिसमें समकालीन सामाजिक विसंगतियों पर तीखा और सारगर्भित व्यंग्य प्रस्तुत किया गया है।

Trainees Deliver Outstanding Performance in the Play 'Parsai Ka Sansar'

On the occasion of World Theatre Day (March 27), a powerful staging of the play 'Parsai Ka Sansar' was presented by the West Zone Cultural Centre, Udaipur, at the Darpan Auditorium in Shilpgram. As part of a 40-day performance-oriented theatre workshop that began on February 20, 2026, participants received training from Prof. Suresh Sharma—a renowned theatre artist and former director of the National School of Drama (New Delhi) and the North Central Zone Cultural Centre (Prayagraj). Through diligent effort, the trainees mastered the play—encompassing acting, dialogue delivery, and stagecraft—and presented it on stage for the first time. The play was directed by Prof. Suresh Sharma (a recipient of the Sangeet Natak Akademi Award), with Tanay Vivek Pandey serving as assistant director. Staged under Prof. Suresh Sharma's expert direction, the production emerged as a compelling theatrical work, utilizing facial expressions, gestures, symbolism, and acting to great effect. The performances by all participants were highly commendable. Musical accompaniment was provided by Mahboob Hussain on the harmonium and Tushar Rao on the dholak. Notably, the play 'Parsai Ka Sansar' is based on the works of the celebrated satirist Harishankar Parsai, offering a sharp and insightful satire on contemporary social anomalies.

29वां नुपुर शास्त्रीय नृत्य समारोह

29वां नूपुर शास्त्रीय नृत्य समारोह 27 से 29 मार्च 2026 तक गोवा में आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न कला रूपों के लगभग 23 कलाकारों ने प्रदर्शन किया, जैसे कुचिपुड़ी युगल (डॉ. बसंत किरण), मोहिनीअट्टम (दिव्या वायेर), भरतनाट्यम (प्रार्थना कौशिक) और कथक (दुर्गा आर्य)।



29th Nupur Classical Dance Festival

The 29th Nupur Classical Dance Festival was held in Goa from March 27 to 29, 2026. Approximately 23 artists representing various art forms performed at the event, including Kuchipudi (duet by Dr. Basant Kiran), Mohiniyattam (Divya Vayer), Bharatanatyam (Prarthana Kaushik), and Kathak (Durga Arya).



63वें महाराणा कुंभा संगीत समारोह

उदयपुर में 27 से 29 मार्च 2026 तक 63वें महाराणा कुंभा संगीत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें महाराष्ट्र की डॉ. चेतना पाठक ने शास्त्रीय गायन एवं दिल्ली के डॉ. रिण्डाना रहस्य ने भारतीय शास्त्रीय युगल गायन में अपनी रचनाएं प्रस्तुत की।

63rd Maharana Kumbha Music Festival

The 63rd Maharana Kumbha Music Festival was held in Udaipur from March 27 to 29, 2026. During the event, Dr. Chetna Pathak from Maharashtra presented a classical vocal recital, while Dr. Rindana Rahasya from Delhi performed Indian classical vocal duets.

अमर कला महोत्सव

कला एवं संस्कृति विभाग राजस्थान तथा पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के सहयोग से रसधारा नाट्य समिति भीलवाड़ा द्वारा संगीतकार स्व. अमरचंद पुरोहित की स्मृति में तीन दिवसीय अमर कला महोत्सव 2026 तृतीय संस्करण का बीकानेर में 31 मार्च 2026 को आयोजित हुआ।

Amar Kala Mahotsav

The third edition of the three-day Amar Kala Mahotsav 2026 was held in Bikaner on March 31, 2026. Organized by the Rasdhara Natya Samiti, Bhilwara, in collaboration with the Department of Art and Culture, Rajasthan, and the West Zone Cultural Centre, Udaipur, the event was held in memory of the late musician Amarchand Purohit.





अभिव्यक्ति
ABHIVYAKTI



पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर
West Zone Cultural Centre Udaipur

Bagore Ki Haveli, Gangaur Ghat, Udaipur (Raj.) 313001
Phone : 0294-2523858 Shilpgram : 2431304, Whatsapp :8619257049
E-mail : wzcccom@rediffmail.com Website : www.wzccindia.com

https://www.facebook.com/wzccudaipur
https://www.instagram.com/westzoneculturalcentre
https://x.com/WestZoneCulture
https://www.youtube.com/@WestZoneCulturalCentre